(b) AgrictaltUre Minister felt deeply coflcemed about the extent of damage in* various sectors due to the heavy rajns attd floods and announced imiB^diaie advance release of Rs. 55.24 crores, representing the second and third instalments of Cent ral share of Calamity Relief Fund for 1997-98. This was released on 1st July, 1997. The first instalment of CRF amounting to Rs. 27.62 Crores had al ready been released to the State tjovern-ment on 1.4.1997.

(c) A memorandum was received from the State Government indicating damage to the extent of Rs. 664.33 crores in

various sectors and seeking additional financial assistance from the National fund for Calamity Relief (NFCR) for relief and rehabilitation measures in the affected areas. After considering the report of a Central team which visited the affected areas, the Naitonal Calamity Relief Committee have decided to provide an additional financial assistance of Rs. 86.90 crores from the NFCR.

कच्छ तथा बनासकांठा जिलों से पलायन

1869. **श्री गोपालसिंह जी. सोलंकी :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) क्या यह सच हैं कि कच्छ तथा बनासकांठा जिलों में इस समय सूखे और अकाल के कारण, इन जिलों के ग्रामीण तथा दूर-दराज क्षेत्रों से लोगों के पलायन करने की घटनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ रही हैं,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं,

(ग) क्या यह सच हैं कि पलायन करने वालों में महिलाओं का अनुपात अधिक हैं,

(घ) यदि हां, तो क्या इस संबंध में कोई अध्ययन किया गया हैं और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं और उस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. एस. वेणुगोपालाचारी) : (क) और (ख) गुजरात सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार कच्छ और बनासकांठा जिलों में सूखे के कारण पलायन का कोई मामला जानकारी में नहीं आया हैं।

(ग) से (ड़) प्रश्न नहीं उठता।

Per capita eOttsutHptioti of pulses as per FAO standard

1870. SHRI KRISHNA KUMAR BIR-LA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the existing availability of pulses per capita and how does it compare with the minimum requirement according to FAO;

(b) to what extent the gap in the availability of pulses per capita is likely to widen by 2000AD keeping in view and annual *tii&* iil country's population and domestic consumption of pulses; and

(c) the strategy, if any, formulated by Government to meet the situation and to make available per capita requirement of pulses in accordance with the FAO standard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) The per capita availability of pulses in the country for the last three years has provisionally been estimated as under;

Year	per capita availability (kg./year)
1995	13.9
1996	12.8
1997	13.7

As per the recommended mitritioaal standard* of the Indian Council of Medical Research (ICMR), the requircmenl of pulses for low cost balanced diet in respect of a sedentary man is 40 gms/day which works out to 14.60 kg/ycar. The information on norms regarcfing minimum requirement of pulses, if any, laid down by the FAO is being collected and will be placed on the Table of the House.

(b) It is difficult to estimate the exact requirement of pulses over a period of time as the demand would depend on various factors such as level of production, availabilitf of other substitutes, in-comeSj popiulation and food habits, etc. However, according to the working Group Report on Demand and Supply Projections of Agriculture Commodities and Improvement of Agricultural Statistics for the formulation of Ninth Five Year Plan on the production requirement of pulses for 2001-02 Works out to 19.50 million tonnes based on GDP growth rate of 7% and 17.20 million tonnes based on the normative requirement as recommended by National Institute of Nutrition, Hyderabad. The most likely supply projection of pulses for 2061-02 has been indicated as 17.50 million tonnes.

(c) For increasing the production of pulses in the country, a Centrally Sponsored National Pulses Development Project (NPDP) is being implemented in 26 states/UTs. Through this, scheme, emphasis is being given on increasing the productivity levels of pulses by propogat-ing the adoption of improved production technology and also the area expansion by intercropping and sequence cropping.

कृषि उत्पादों पर रासायनिक उर्वरकों का प्रतिकूल प्रभाव

1871. **श्री अजीत जोगी** :
श्री मूलचन्द मीण :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने कृषि उत्पादन पर रासायनिक उर्वरकों के प्रतिकूल प्रभाव के संबंध में कोई अध्ययन किया हैं,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं,

(ग) क्या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने इस संबंध में कोई सुधारात्मक उपायों का सुझाव दिया हैं,

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं,

(ड.) क्या सरकार भूमिगत जल तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु किसी परामर्शदात्री निकाय का गठन करने का विचार रखती हैं, और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा. एस. वेगुगोपालाचारी) : (क) जी, हां।

(ख) विभिन्न फसलों पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तथा किसानों के खेत में किए गए कई परीक्षणों से यह स्पष्ट रूप से मालूम हुआ हैं कि उर्वरकों के संतुलित उपयोग से मृदा तथा फसल पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता हैं। तथापि यदि सभी पोषक तत्वों के संतुलन का बिना ध्यान रखे उर्वरक का लगातार उपयोग किया जाए तो मृदा तथा फसल पर इसका प्रतिकूल प्रभाव देखा जा सकता हैं जो मृदा और फसल की स्थितियों पर निर्भर करता हैं।

(ग) जी, हां।

(घ) देश के विभिन्न कृषि परिस्थितिकी क्षेत्रों में फसल उत्पादन के लिए एक मुश्त क्रियाएं राज्य प्रायोजित प्रायोजनाओं के अतिरिक्त भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से सहायता प्राप्त प्रायोजनाओं से प्राप्त अनुसंधान परिणामों पर आधारित होती हैं। इन एक मुश्त क्रियाओं के जरिए, किसानों के लिए विभिन्न मृदाओं तथा फसलों हेतु उर्वरकों की उपयुक्त मात्राओं की सिफारिश की जाती हैं।

(ड़) जी, नहीं। चूंकि हमने कृषि क्षेत्रों में उर्वरकों का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पाया हैं, इसलिए इस प्रकार का प्रस्ताव तैयार नहीं किया जा रहा हैं।

(च) लागू नहीं होता।

Benefits meant for Indian farmers go to Bangladesh

1872. DR. D. VENKATESHWAR RAO: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to the news item captioned "benefits meant for Indian farmers go to Bangladesh" appeared in the Indian Express, dated 15lh May, 1997;

(b) if so, the facts thereof; and